कोटद्वार,बुधवार
29 मई 2024
वर्षः 46
अंकः 38 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक: स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

राज्य के सरकारी स्कूलों में बेसिक शिक्षकों के रिक्त 3600 पदों पर भर्ती के आदेश

देहरादून। उत्तराखंड में बेरोजगार युवकों की नौकरी का सपना जल्द पूरा होने वाला है। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मंगलवार को राज्य के सरकारी स्कूलों में बेसिक शिक्षकों के रिक्त 3600 पदों पर भर्ती के आदेश दे दिए। शिक्षा निदेशक को जिलावार रिक्त पदों पर जल्द से जल्द विज्ञप्तियां जारी कराने को कहा गया है। यह भर्ती प्रक्रिया पिछले कई साल से लटकी हुई थी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जिन पात्र अभ्यर्थियों ने पूर्व में वर्ष 2020, वर्ष 2021 में भर्ती में आवेदन किया था, उन्हें नए सिरे से आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को पूर्व के आवेदन के अनुसार नई भर्ती के लिए अर्ह माना जाएगा। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सरकार ने छह मई को जारी राजकीय प्रारंभिक शिक्षा (अध्यापक) सेवा नियमावली 2024 में बेसिक शिक्षक की पात्रता के नए मानक तय किए हैं। इसके अनुसार बीएड डिग्री को बेसिक शिक्षक की पात्रता से हटा दिया गया है। केवल दो वर्षीय डीएलएड, शिक्षा शास्त्र (विशेष शिक्षा) में दो वर्षीय डिप्लोमा यानि डीएड और चार वर्षीय बीएलएड ही बेसिक शिक्षक के लिए आवेदन कर सकते हैं।

फिर धधकने लगे जंगल

नई टिहरी : आग सारज्यूला पट्टी के निचले हिस्से से टिहरी शहर की ओर बढ़ी, जिसके बाद आस-पास के चवालखेत, गाजणी, बुडोगी, भोनाबागी, ग्वाड़, पसी आदि क्षेत्रों में व्यापक रूप से फैल गई। जिसके बाद यह स्थिति बन गई कि घरों से लेकर बाजार में राख के गुब्बार उड़ने लगे और शहर के चारों को धुंध का माहौल बन गया। वन विभाग के डाजयर का क्रूस्टेशन के चारों ओर भी आग जलती रही। (एजेंसी)

भारी बारिश के चलते बड़ा हादसा, पत्थर की खदान ढहने से 15 लोगों की मौत, कई लापता

मिजोरम ,मिजोरम के आइजोल में पत्थर की खदान ढहने से 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता हैं। पुलिस ने बताया कि ये घटना सुबह भारी बारिश के बीच हुई। शहर के दक्षिणी बाहरी इलाके में मेलथुम और हिलीमेन के बीच ये हादसा हुआ। भारी बारिश की वजह चक्रवाती तूफान रेमल को बताया जा रहा है, जिसने पूरे राज्य में तबाही मचा रखी है।पुलिस ने बताया कि, मृतकों के शव बरामद कर लिए गए हैं लेकिन अभी भी कई अन्य लोग मलबे में फंसे हुए हैं। आगे उन्होंने बताया कि भारी बारिश की वजह से बचाव कार्य प्रभावित हो रहा है। 15 मृतकों में से 3 अन्य राज्यों के हैं।अधिकारियों ने बताया कि रेमल तूफान की वजह से राज्य भर में कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है। इसकी वजह से अंतर राजीय राजमार्ग के रास्ते भी बाधित हुए हैं। आगे उन्होंने बताया कि हुन्थर में नेशनल हाईवे 6 पर भूस्खलन की वजह से आइजोल का संपर्क देश से कट गया है। बचाव कार्य के दौरान एक बच्चे को मलबे से निकालकर पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। खदान ढहे कई घंटे बीत चुके हैं और अभी भी बचाव कार्य जारी है, जिसमें कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। मलबे में दबे हुए लोगों में ज्यादातर गैर–आदिवासी हो सकते हैं। रेमल तूफान को मद्देनजर रखते हुए सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इसी के साथ जरूरी सेवा देने वाले कर्मचारियों के अलावा बाकि के सरकारी कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है। मिजोरम के डीजीपी ने बताया कि लगातार बारिश की वजह से बाहरी इलाके में पत्थर की खदान ढहने से 15लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के जवान बचाव कार्य में लगे हुए है। बारिश की वजह से नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। लोगों को नदियों से दूर रहने के लिए कहा गया है।

नाबालिग लड़की को होटल लेकर पहुंचे दो युवक, सड़क पर जमकर हुआ हंगामा

रुड़की। होटल में नाबालिग के साथ दो युवकों के मिलने पर एक संगठन से जुड़े लोगों ने हंगामा कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने किसी तरीके से मामला शांत कराया। रविवार को मामला चर्चा में रहा। दोनों युवक और नाबालिग के परिजनों को पुलिस ने मामले की सूचना दी। नाबालिग के परिजनों ने शिकायत नहीं करने की बात कही। जिसके बाद पुलिस ने युवकों के परिजनों को बुलाकर उन्हें जमकर फटकार लगाकर आइंदा दोबारा ऐसी हरकत करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देकर उन्हें छोड़ दिया। बीती शाम रुड़की कोतवाली के बस अड्डे के पास एक होटल में नाबालिग के होने की एक संगठन को सूचना मिली। संगठन के कार्यकर्ता होटल पहुंचे तो वहां नाबालिग के साथ दो युवक भी मिले। जिसके बाद मौके पर जमकर हंगामा हुआ।

मालीवाल पिटाई मामले में बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत खत्म

• दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में किया पेश

नई दिल्ली। आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई कथित मारपीट के मामले में आरोपी बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने उन्हें तीस हजारी कोर्ट में पेश किया। तीस हजारी कोर्ट ने शुक्रवार (24 मई) को बिभव कुमार को चार दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इससे एक दिन पहले यानी 27 मई को तीस हजारी कोर्ट ने बिभव की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुनवाई के दौरान जज ने कहा, 'पीड़िता द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज नहीं किया जा सकता है। केवल प्राथमिकी दर्ज कराने में देरी से मामले पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा क्योंकि चार दिनों के बाद भी मेडिकल रिपोर्ट में चोटें स्पष्ट रूप से दर्ज हुई हैं।' वहीं जमानत का विरोध करते हुए मालीवाल ने अदालत से कहा कि अगर कुमार को रिहा किया गया, तो उनकी जान और उनके परिवार को गंभीर खतरा है। मालीवाल ने दावा किया कि घटना के बारे में एक यूट्यूबर द्वारा एकतरफा वीडियो बनाया गया था, जिसके बाद उन्हें धमकियां मिलनी शुरू हो गईं।

केजरीवाल के पीए बिभव कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर मालीवाल के साथ कथित तौर पर मारपीट करने का आरोप है। जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने 18 मई को उन्हें सीएम आवास से ही गिरफ्तार किया था। इसके बाद तीस हजारी कोर्ट ने उन्हें 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया था। दिल्ली पुलिस ने अपने रिमांड आवेदन में कहा कि जांच के दौरान गवाहों के बयानों के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक, वैज्ञानिक और चिकित्सा साक्ष्य एकत्र किए गए हैं।

लिव–इन पार्टनर के टुकड़े करने वाले आफताब के खिलाफ नई चार्जशीट

नई दिल्ली। अपनी लिव–इन पार्टनर श्रद्धा वाकर की हत्या करने और उसके शरीर को टुकड़े–टुकड़े करने के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एक पूरक चार्जशीट दायर की है। इस बारे में जानकारी देते हुए अदालती सूत्रों ने कहा कि करीब 3,000 पेज का आरोप पत्र मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अविरल शुक्ला की अदालत के सामने मंगलवार को दायर किया गया। बताया जा रहा है कि इसमें ज्यादा डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्य रिपोर्ट शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि आरोप पत्र में मुख्य रूप से गूगल लोकेशन, सर्च हिस्ट्री और अन्य डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्य रिपोर्ट शामिल हैं। इसे लेकर पुलिस ने दावा किया है कि ये सबूत पूनावाला के खिलाफ आरोपों की पुष्टि करते हैं।

पूनावाला पर 18 मई 2022 को दिल्ली के महरौली में अपनी लिव–इन पार्टनर श्रद्धा वाकर की गला घोंटकर हत्या करने और उसके शव के टुकड़े–टुकड़े करने का आरोप है।

श्री केदारनाथ धाम में उमड़ रहा है आस्था का सैलाब

• अब तक पांच लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सुगम, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित यात्रा संचालित करने के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। श्री केदारनाथ धाम की यात्रा में एक नया रिकॉर्ड/कीर्तिमान स्थापित किया है जिसमें कुल 18 दिनों में ही 5 लाख, 9 हजार 6 सौ 88 श्रद्धालुओं ने 11वें ज्योतिर्लिंग बाबा श्री केदारनाथ के दर्शन कर लिए हैं।

भारी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा एवं परेशानी न हो तथा श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार एवं स्थानीय जिला प्रशासन निरंतर व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने में लगा हुआ है। श्री केदारनाथ धाम में अब तक 22 हजार 394 श्रद्धालुओं ने हेली सेवा के माध्यम से बाबा केदार के दर्शन किए हैं तथा एक लाख 35 हजार 8 श्रद्धालुओं द्वारा घोड़े-खच्चरों के माध्यम से तथा 5 हजार 2 सौ 11 श्रद्धालुओं ने डंडी के माध्यम से एवं 8 हजार 4 सौ 22 श्रद्धालुओं ने कंडी के माध्यम से बाबा श्री केदार के दर्शन किए हैं, तथा 3 लाख 38 हजार 653 श्रद्धालुओं ने पैदल ट्रेक रुट से चलकर श्री केदारनाथ धाम के दर्शन किए हैं। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार निरंतर यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है तथा सभी संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए जा रहे हैं, जिससे कि श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं को कोई असुविधा एवं परेशानी न होने पाए।

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने से किया इन्कार

नई दिल्ली ,दिल्ली के सीएम केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की 7 दिन की अंतरिम जमानत बढ़ाने वाली याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया है। अरविंद केजरीवाल ने मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट में जज जेके महेश्वरी की बेंच के समक्ष यह मामला मेंशन किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि हम इस संबंध में कोई आदेश नहीं दे सकते हैं। आप इस मामले को लेकर चीफ जस्टिस के पास जाइये। चीफ जस्टिस ही इस मामले में फैसला लेंगे। आज सुप्रीम कोर्ट में जैसे ही सुनवाई शुरू हुई, अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हम सात दिनों की अंतरिम राहत और चाहते हैं। मेडिकल टेस्ट करवाने हैं। ये कोर्ट से मिली आजादी का दुरुपयोग नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीजेआई ही इस पर फैसला लेंगे।शीर्ष अदालत ने यह भी सवाल पूछा कि आपने पिछले हफ्ते जस्टिस दत्ता के सामने इसकी मेंशनिंग क्यों नहीं की। बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से मेडिकल ग्राउंड पर 7 दिन की अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी। केजरीवाल ने अपनी अर्जी में कहा कि स्वास्थ्य जटिलताओं और बढ़े हुए जोखिम संकेतों को देखते हुए उनका मेडिकल टेस्ट अति आवश्यक है। कारावास के दौरान किसी भी तरह की परेशानी न हो और उनके हेल्थ और जीवन को किसी भी संभावित दीर्घकालिक नुकसान से बचाया जा सके, इसके लिए ये टेस्ट जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपनी अंतरिम जमानत के दौरान वह हर दिन सार्वजनिक रूप से दिखाई दे रहा हूं और उपलब्ध हूं। कानून की प्रक्रिया से मेरे भागने का कोई जोखिम नहीं है।

नीलकंठ मार्ग पर स्कूटी खाई में गिरी, युवक की मौत

ऋषिकेश। नीलकंठ मार्ग पर मंगलवार को गरुड़चट्टी के नजदीक एक स्कूटी बेकाबू होकर 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक जख्मी हो गया। पुलिस ने घायल को बामुश्किल रेस्क्यू कर सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शव कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेज दिया है। लक्ष्मणझूला पुलिस के मुताबिक सुबह स्थानीय लोगों ने सूचना देकर बताया कि गरुड़चट्टी के पास एक स्कूटी खाई में गिरी है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, तो स्कूटी के समीप दो युवक जख्मी हालत में पड़े मिले। जल पुलिस के माध्यम से रेस्क्यू कर उन्हें घायल अवस्था में लक्ष्मणझूला के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पूछताछ में घायलों की पहचान 26 वर्षीय संधीर कुमार फोगाट, निवासी ग्राम इंद्रपुरी, पीपला भोला रोड मेरठ यूपी और 40 वर्षीय मुकेश सिंह पयाल, निवासी अमड़ीतली यमकेश्वर के रूप में हुई। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान मुकेश को मृत घोषित कर दिया।

खाई में गिरी कार, दम्पति और 8 साल की मासूम की मौत

अल्मोड़ा : जनपद में एक दर्दनाक हादसे में दम्पति सहित 8 साल की मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 11 साल का बेटा 15 घंटे खाई में अपने माता-पिता व बहन के शव के पास पड़ा रहा। वही, पुलिस व एसडीआरएफ रातभर परिवार की तलाश में जुटी रही, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्याल्दे विकासखंड के भिकियासैंण-देघाट मोटर मार्ग में कार संख्या-यूके08-यू-6028 चचरोटी से करीब एक किमी. आगे 300 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 42 वर्षीय मुनेंद्र सिंह, उनकी 38 वर्षीय पत्नी शशि सैनी व 8 साल की बेटी अदिति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 11 साल का बेटा अर्णव घायल हो गया। यह लोग निजामपुर गुरुकुल नारसन, थाना हरिद्वार के रहने वाले थे। सोमवार को परिवार सुबह 11 बजे रामनगर से देघाट के लिए निकला था। दोपहर 3 बजे तक उनका परिजनों से संपर्क हुआ था। जिसके बाद उनका संपर्क कट गया। थानाध्यक्ष देघाट राहुल राठी ने बताया कि दुर्घटना दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच की है। सीएचसी देघाट के डॉक्टर सिद्धार्थ द्वारा शाम 5 बजे देघाट थाने में चारों लोगों के नहीं पहुंचने की सूचना दी गई।

संपादकीय

गंभीर प्राकृतिक आपदा के संकेत

राजस्थान राज्य के चुरू जिले में किस सीजन में पारे ने अर्धशतक का आंकड़ा पार कर लिया है तो वही अभी इस पर से राहत मिलने की कोई असर नहीं है। मरुस्थलीय इलाका होने के कारण राजस्थान में इस प्रकार के तापमान को एक बारगी को स्वीकार किया जा सकता है लेकिन सोचिए जो हालात उत्तराखंड में पैदा हो रहे हैं क्या वह भविष्य की उत्तराखंड को एक उत्कृष्ट भौगोलिक परिस्थितियों वाला प्रदेश बने रहने दे सकते हैं? मैदान से लेकर पहाड़ो तक स्थिति अब नियंत्रण से बाहर हो रही है प्रोग्राम मैदानी क्षेत्र 40 डिग्री के पार से पर पहुंचने को तैयार है तो पहाड़ों की स्थिति भी कोई बहुत अधिक सुखद नहीं है। आज इतना जरूर है कि उत्तराखंड के उंचे पहाड़ी क्षेत्रों में अभी भी बर्फबारी जैसा वातावरण देखने को मिल रहा है लेकिन कहीं ना कहीं पर्यावरणीय असंतुलन पिछले कुछ वर्षों में इन क्षेत्रों में भी देखने को मिला है। मैदानी क्षेत्र इन दिनों भीषण गर्मी के प्रकोप से जूझ रहे हैं। राजधानी देहरादून में ही तराई के तापमान जैसे हालात बन गए हैं और यहां बिगड़ी भौगोलिक स्थिति के बाद मैं के महीने में ही तापमान 40 तक जा पहुंचा है। इस भीषण गर्मी के बावजूद उत्तराखंड की चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के हौसले को सलाम करना चाहिए। हरिद्वार में प्रवेश करने से लेकर पहाड़ो तक पहुंचने में भीषण गर्मी भी श्रद्धालुओं के हौसले को दिखा नहीं पाई है लेकिन यहां आने वाले श्रद्धालु भी उत्तराखंड के बुरे हालात देखकर अचंभित हैं। पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड का पर्यावरणीय संतुलन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है इसमें न केवल मैदान बल्कि पहाड़ों ने भी अपने मिजाज को बदल लिया है। राज्य गठन के बाद से ही जिस प्रकार से उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों में अनियोजित विकास हुआ है उसमें ना जाने कितने ही वृक्षों को जमींदोज किया गया, और यह क्रम अभी भी जारी है। मैदानी क्षेत्रों में दूर–दूर तक बारिश का कोई अभी नामोनिशान नहीं है तो वही शुष्क मौसम ने अब घरों से बाहर निकलने पर भी बेड़ियां कस दी हैं। बिगड़ते पर्यावरण के बाद फिर वही सवाल खड़ा हो जाता है कि आखिर यह परिस्थितियों उत्पन्न कैसे हुई? स्पष्ट है कि इसका सबसे बड़ा कारण बड़ी संख्या में वृक्षों का कथन है जिसकी रोकथाम के लिए हमारे पूर्व की सरकारें हो या फिर संबंधित विभाग हो उन्होंने कभी वृक्षों की महत्ता को शायद समझा ही नहीं। हम खुद अपनी जिम्मेदारियां का निर्माण करने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। खुद आकलन करना चाहिए कि अपने अब तक के जीवन में हमने कितने पेड़ लगाए और अपने सामने कितने पेड़ों को कटते हुए देखा है? करोड़ों में ऐसे लोगों की संख्या होगी जिन्होंने 30 वर्ष तक की उम्र में शायद एक भी वृक्ष लगाने में अपनी भूमिका नहीं निभाई होगी। यहां स्कूलों की भूमिका तय करने के कार्य को एक अनिवार्य मिशन के तौर पर अपनाया जाए तो शायद आने वाले वर्षों में हम अपनी पीढ़ियों को कुछ बेहतर देश दे सकेंगे। सरकारी विद्यालय हो या फिर मोटी–मोटी फीस वसूलने वाले निजी स्कूल या फिर बड़े–बड़े क्षेत्रफल में फैले सरकारी कार्यालय, कहीं भी अब तक कोई बड़ा वृक्षारोपण अभियान राष्ट्रीय स्तर पर देखने को नहीं मिला है। महज प्राकृतिक चक्र के भरोसे वृक्षों के विकास की कल्पना करना एक अतिशयोक्ति ही होगी। उत्तराखंड के पुराने लोग यह कल्पना भी नहीं करते होंगे कि उन्हें इस राज्य में वर्तमान हालात देखने को मिलेंगे। वर्तमान परिस्थितियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि इसी स्तर पर हम पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करते रहे तो आने वाले दिनों में उत्तराखंड में भी उच्च तापमान जैसे हालात देखने को मिलेंगे। बुनियादी समाधानों की बात करें तो सरकार को आम जन सहयोग से "अनिवार्य वृक्षारोपण मिशन" शुरू करना चाहिए जिसमें प्रत्येक स्कूल एवं सरकारी कार्यालय के लिए एक लक्ष्य निर्धारित करना होगा। आज के प्रयास भविष्य के संतुलित पर्यावरण निर्माण की शुरुआत बन सकते हैं, बशर्ते इस पर गंभीरता से कार्य किया जाए। अभी तक हम उत्तराखंड में मानसून के दौरान प्राकृतिक आपदा देखते आए हैं लेकिन आने वाले समय में हीट वेव और बढ़ते तापमान का प्रकोप भी प्राकृतिक आपदा के एक नए रूप को पेश करेगा।

नए भारत की साहसिक पहल

डॉ. सुरेन्द्र कु. मिश्र

भारत और ईरान के चाबहार बंदरगाह के संगठन और उनके अनुबंध के लिए और मेगा कनेक्टिविटी योजनाओं के माध्यम से परियोजनाओं के अगले चरण के विकसित करने के लिए यह समझौता हुआ है। भारत इसे अंतरराष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारे के साथ एकीकृत करने की योजना बना रहा है, ताकि ईरान के माध्यम से भारत से रूस तक एक निर्बाध व्यापारिक मार्ग तैयार किया जा सके। भारत एक संयुक्त देश है और यह अनुबंध भारत और ईरान दोनों देशों के लिए बेहद एक सामयिक, सामरिक एवं संवेदनशील विशेष समझौता है कि मध्य एशिया और उससे आगे तक पहुंच आसान हो जाएगी। यह चीन द्वारा पाकिस्तान के ग्वादर में बनाई जा रही अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का एक करारा जवाब भी है। ओमान की खाड़ी पर दक्षिणी पूर्वी ईरान में स्थित चाबहार एक महत्त्वपूर्ण बंदरगाह है। यह ईरान के एकमात्र समुद्री बंदरगाह के रूप में कार्य करता है और इसमें शाहिद कलंतरी ह्यशाहिद बेहिश्ती नामक दो अलग–अलग बंदरगाह शामिल हैं। यह बंदरगाह भारत को अरब सागर में चीन की उपस्थिति को नजरअंदाज करने में सक्रिय सहयोग देता है। अपनी भौगोलिक अवस्थिति, आर्थिक व व्यापारिक तथा सामरिक कूटनीतिक दृष्टिकोण से भारत के लिए एक विशेष महत्त्व का क्षेत्र है।

अमेरिका द्वारा भारत–ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह परियोजना के संबंध में हुई डील को नया बताकर अपनी नराजगी व्यक्त की गई।

इसके साथ ही भारत–ईरान के बीच 10 साल के इस अनुबंध पर अमेरिका प्रतिबंध लगा सकता है क्योंकि वह इसे नए दृष्टिकोण से देख रहा है अमेरिका को इस बात का गंभीरता से भी विचार करना होगा कि दबाव, दमन, दहशत व दादागिरी की नीति हमेशा नहीं चलती है। प्रत्येक देश अपने भू आर्थिक, भू–राजनीतिक तथा भू–सामरिक हितों को ध्यान में रखकर कार्य करता है जैसा कि भारत ने ईरान के साथ इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। भारत चाबहार बंदरगाह को पाकिस्तान में चीन द्वारा निर्मित बंदरगाह के काउंटर के रूप में देखता है।

भारत और ईरान के चाबहार बंदरगाह के संगठन और उनके अनुबंध के लिए और मेगा कनेक्टिविटी योजनाओं के माध्यम से परियोजनाओं के अगले चरण के विकसित करने के लिए यह समझौता हुआ है। भारत इसे अंतरराष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारे के साथ एकीकृत करने की योजना बना रहा है, ताकि ईरान के माध्यम से भारत से रूस तक एक निर्बाध व्यापारिक मार्ग तैयार किया जा सके। भारत एक संयुक्त देश है और यह अनुबंध भारत और ईरान दोनों देशों के लिए बेहद एक सामयिक, सामरिक एवं संवेदनशील विशेष समझौता है कि मध्य एशिया और उससे आगे तक पहुंच आसान हो जाएगी। यह चीन द्वारा पाकिस्तान के ग्वादर में बनाई जा रही अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का एक करारा जवाब भी है।ओमान की खाड़ी पर दक्षिणी पूर्वी ईरान में स्थित चाबहार एक महत्त्वपूर्ण बंदरगाह है। यह ईरान के एकमात्र समुद्री बंदरगाह के रूप में कार्य करता है और इसमें ह्यशाहिद कलंतरीह्ल ह्यशाहिद बेहिश्तीह्ल नामक दो अलग–अलग बंदरगाह शामिल हैं। यह बंदरगाह भारत को अरब सागर में चीन की उपस्थिति को नजरअंदाज करने में सक्रिय सहयोग देता है। अपनी भौगोलिक अवस्थिति, आर्थिक व व्यापारिक तथा सामरिक कूटनीतिक दृष्टिकोण से भारत के लिए एक विशेष महत्त्व का क्षेत्र है। यही कारण है कि इस बंदरगाह को अंतरराष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) के रूप में भी जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि यह भारत, ईरान, अफगानिस्तान, अजरबैजान, अर्मेनिया, रूस के साथ ही मध्य एशिया तथा यूरोप के बीच व्यापार हेतु 7200 किलोमीटर की बहुउद्देश्यीय परिवहन परियोजना भी है। भारत अल्पकालिक समझौते पर इस बंदरगाह का संचालन कर रहा था, जिसे समय–समय पर नवीनीकृत करना पड़ता था। जब चाबहार में निवेश की बात आई तो अल्पकालिक समझौते और ईरान के भू–राजनीतिक तनाव ने शिपर्स और निवेशकों को इससे दूर रखा था। इसके कारण एक बार तो ईरान इस समझौते में प्रगति न होने के कारण अपने कदम चीन की ओर बढ़ाने की मंशा बना ली थी। वास्तव में इस योजना को क्रियान्वित करने की चीन की क्षमता एवं संपन्नता भी थी।

भारत के इस समझौते के बाद अमेरिका ने प्रतिबंध की चेतावनी को ह्यप्रतिबंधों का संभावित जोखिमह्ल की बात कहकर अपने रुख में परिवर्तन का संकेत दिया है। आखिरकार भारत ने अपने रणनीतिक एवं आर्थिक महत्त्व चाबहार बंदरगाह को दस वर्ष के लिए विकसित और संचालित करने के लिए ईरान के साथ 13 मई को इस समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। वास्तव में यह एक नए भारत की साहसिक पहल है जो किसी भी प्रतिबंध की अब परवाह नहीं करता, विशेष रूप से भू–आर्थिक, भू–सामरिक एवं भू–राजनीतिक पहल के मामलों में। आखिर द्वंद्व कहां तक टाला जाए, भारत समझ गया है कि समय पर सामरिक व आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर जरूरी हो गए, जिसे जरूरत पडने़ पर जवाब देना भी जेहन में रखना होगा। यह बात अमेरिका को समझनी होगी कि यह समझौता कोई ह्यनयाह्ल नहीं है, यह तो केवल विगत रूप में संचालित हो रहे कार्यक्रम की निरंतरता है। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह में चीन की मौजूदगी को देखते हुए भारत की चाबहार की ओर पहल एक महत्त्वपूर्ण सामयिक एवं सामरिक आवश्यकता बन गई थी।

स्मरणीय है कि अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप ने वर्ष 2018 में भारत, चीन तथा तुर्की को ईरान प्रतिबंधों से छूट दी थी, जबकि वाशिंगटन ओमान की खाड़ी के बंदरगाह पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा था1 चूंकि यह युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में उसकी उपस्थिति के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण था। वास्तव में अगर अमेरिका इसे एक नए समझौते के रूप में देखता है तो यह उसकी भारी–भूल होगी, क्योंकि मई 2016 में मूल रूप से हस्ताक्षर करने के बाद से इस पर बहुत काम हुआ है। भारत चाबहार बंदरगाह में बेहिश्ती टर्मिनल को विकसित करने के लिए भारी–भरकम निवेश कर चुका है। यह बात भी विशेष ध्यान देने योग्य है कि भारत पहले ही अमेरिका के दबाव के कारण फारस की खाड़ी में फरजाद–बी गैस क्षेत्र खो चुका है, जो वास्तव में भारत के लिए एक विशेष आकषर्क तथा आर्थिक व रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण परियोजना थी। अतः भारत ईरान के चाबहार बंदरगाह के शाहिद बेहिश्ती टर्मिनल का प्रबंधन अब अपने हाथ में लेने की अवहेलना कदापि नहीं कर सकता है। यदि भारत किसी कारणवश अमेरिकी प्रतिबंध के दबाव में आ जाता तो खाड़ी क्षेत्र में अपना आर्थिक आधार एवं रणनीतिक प्रभाव खो देता।

यह भी जानना जरूरी है कि अमेरिका द्वारा पहले दी गई प्रतिबंधों की छूट के बाद भारत और ईरान स्वतंत्रता और प्रति–प्रसार अधिनियम 2012 के तहत वाशिंगटन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को मात देने की अनुमति प्रदान की थी। भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, तुर्की, ग्रीस तथा इटली आदि को अस्थायी छूट प्रदान की गई थी। इसके साथ ही इन सभी देशों को फारस की खाड़ी देश के साथ व्यापार करने की अनुमति दी गई थी। इस समझौते में भारत ने अपना दृढ़ विश्वास स्पष्ट रूप से दिखाया जो कि सामयिक व सामरिक रूप से बेहद अनिवार्य था। भौतिकता एवं आर्थिक होड़ की दौड़ में कोई भी देश, किसी भी देश का स्थायी मित्र या शत्रु नहीं रह सकता। प्रत्येक राष्ट्र की सभी नीतियों में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति होती है।

प्रशासनिक और अकादमिक संस्थाओं का परस्पर सामंजस्य

नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ साझेदारियां हुईं और तकनीकी आदान–प्रदान हुआ। मिशन के विशेषज्ञों की टीम ने ऑस्ट्रेलिया की मरे–डॉर्लिंग, इंग्लैंड की टेम्स और यूरोप की राईन नदी के बेसिन प्रबंधन के बारे में जाना–समझा, लेकिन उसे हू–ब–हू अपनाने के बजाय भारत के स्थानीय परिवेश के अनुसार उचित विधियों का इस्तेमाल किया गया।

वर्ष 2015 में सात भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थानों (आइआइटी) के संघ ने सरकार को गंगा रिवर बेसिन मैनेजमेंट प्लान का त्रिस्तरीय प्रारूप सौंपा था। इस प्लान को देखने के बाद यह निर्धारित किया गया कि आइआइटी संघ का दायित्व महज योजना बनाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस योजना के सतत क्रियान्वयन और आकलन के लिए भी उसके सहयोग की आवश्यकता होगी। मिशन के अकादमिक विंग को सशक्त बनाने के लिए आइआइटी कानपुर के नेतृत्व में सेंटर फॉर गंगा रिवर बेसिन मैनेजमेंट एंड स्टडीज (सी–गंगा) का गठन किया गया। सी–गंगा ने नदियों के मानचित्र बनाने जैसे भौगोलिक कार्य से लेकर अंतिम संस्कार की विधि में परिवर्तन जैसे भावनात्मक विषयों पर भी काम किया है। नमामि गंगे मिशन के पांच मुख्य आधार हैं– राजनीतिक इच्छाशक्ति, सार्वजनिक व्यय, सहभागिता, हिस्सेदारी, भागीदारी और समझाना– बुझाना। राजनीतिक इच्छाशक्ति के बगैर किसी व्यापक मिशन पर काम करना और आवश्यक संसाधनों को जुटाना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मिशन में व्यक्तिगत स्तर पर रुचि ली और वे मिशन की प्रगति के बारे में निरंतर जानकारी लेते रहे। इससे मिशन को आगे बढ़ाने में प्रेरणा और सहयोग प्राप्त हुआ। इतने बड़े मिशन पर काम करने के लिए बड़े बजट की आवश्यकता थी, जो समय–समय पर सरकार ने आवंटित किया, जिसके कारण मिशन का कार्य कभी बाधित नहीं हुआ। न केवल नमामि गंगे मिशन, बल्कि समांतर रूप से चल रहे जल संबंधी कार्यक्रमों, जैसे जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत अभियान, अमृत आदि, के सुचारू संचालन के लिए भी पर्याप्त बजट आवंटित किया गया, जिसका समग्र प्रभाव गंगा बेसिन और अंततः गंगा नदी पर नजर आया।

नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ साझेदारियां हुईं और तकनीकी आदान–प्रदान हुआ। मिशन के विशेषज्ञों की टीम ने ऑस्ट्रेलिया की मरे–डॉर्लिंग, इंग्लैंड की टेम्स और यूरोप की राईन नदी के बेसिन प्रबंधन के बारे में जाना–समझा, लेकिन उसे हू–ब–हू अपनाने के बजाय भारत के स्थानीय परिवेश के अनुसार उचित विधियों का इस्तेमाल किया गया। इस योजना में जन–भागीदारी को बढ़ाने के लिए गंगा उत्सव, गंगा टास्क फोर्स, गंगा प्रहरी और गंगा मित्र जैसे अभियान भी संचालित किये गये। इस अभियान में नदी के जल की गुणवत्ता के रासायनिक मानदंडों, जैसे बीओडी, सीओडी, कॉलिफॉर्म आदि को सिर्फ बीमारी के लक्षण के रूप में देखा गया, परंतु लक्ष्य नदी के जैव–पारिस्थितिक तंत्र की पुर्नबहाली को रखा गया। वर्ष 2019 में राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने अर्थ गंगा की संकल्पना प्रस्तुत की। परियोजना का सिद्धांत व्यवहार में साकार होता तब नजर आया, जब प्रयागराज में आयोजित अर्धकुंभ मेले में अपेक्षित पर्यटक संख्या से तीन गुना अधिक पर्यटक पहुंचे। कुंभ की महत्ता को स्वयं प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत प्रयासों से विदेशों तक पहुंचाया और कई विदेशी हस्तियों को इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित किया। कई शहरों में रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, रिवर–पीपल कनेक्ट जैसी गतिविधियों से पर्यटन की संभावनाएं बढ़ीं।

नदी एक तंत्र हैं, जिसके आधार पर नदी अपनी प्राकृतिक प्रक्रियाओं पूर्ण करते हुए सतत अपनी अमूल्य सेवाएं (इकोलॉजिकल सर्विसेज) प्रदान करती रहती है। अब मिशन नदियों को उनका खोया हुआ सामर्थ्य दोबारा लौटाने की दिशा में कार्यरत है। समर्थ गंगा अभियान के पांच स्तंभ हैं– निर्मल गंगा, अविरल गंगा, अर्थ गंगा, ज्ञान गंगा और जन गंगा। छह विशाल नदियों के बेसिन प्रबंधन के लिए 12 तकनीकी संस्थाओं को अनुबंध पत्र सौंपने के समारोह में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस काम को उपनिषद के सूत्र ह्यएकोहम बहुस्यामह्ल (एक से अनेक की ओर) से संदर्भित किया। उन्होंने कहा कि नये केंद्रों की स्थापना स्वागतयोग्य हैं और उम्मीद जतायी कि ऐसे प्रयास देश को जलसमृद्ध बनायेंगे। देश में संचालित नदी पुनर्जीवन अभियान में प्रशासनिक और अकादमिक सामंजस्य के चलते नदी विज्ञान रूपी ज्ञान की नयी शाखा उभर रही है।

अकेले महिलाओं को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

अमेरिका की प्रजनन दर में 2023 के दौरान 2त्न की गिरावट दर्ज की गयी है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की ताजा रपट के अनुसार आस्ट्रेलिया में भी समान पैटर्न नजर आ रहा है।

कह रहे हैं कि कोविड–19 महामारी के चरम के वक्त प्रजजन दर में अस्थाई वृद्धि देखी गयी थी। जिसे छोड़ कर अमेरिकी प्रजनन दर लगातार गिर रही है। इससे कम प्रजनन दर के मामले में जापान, दक्षिण कोरिया व इटली हैं। अमेरिका व आस्ट्रेलिया में इस वक्त प्रजनन दर 1.6 है। जबकि दक्षिण कोरिया में 0.68 रह गयी है।

इन देशों में जितने बच्चे जन्म रहे हैं, उससे ज्यादा मौतें हो रही हैं। असल सवाल महिलाओं के कम बच्चे पैदा करने पर जा अटकता है। यूं भी आस्ट्रेलियाई महिलाएं दुनिया में सबसे शिक्षित हैं। पढ़ाई को काफी वक्त देने के बाद वे करियर बनाने में जुट जाती हैं। बच्चे पालना महंगा तथा समय लेने वाली जिम्मेदारी है।

महिलाएं ही नहीं पुरुष भी स्थाई नौकरी व आर्थिक सुरक्षा के प्रति जागरूक हो रहे हैं। अमीर देश ही नहीं, दुनिया भर के 204 देशों और क्षेत्रों में से 155 यानी 76त्न में 2050 तक प्रजनन दर जनसंख्या प्रतिस्थापन स्तर से नीचे पहुंच जाएगी। जनसंख्या को स्थिर बनाये रखने के लिए प्रति महिला 2.1 प्रजनन दर की आवश्यकता है। चूंकि अपने यहां इस वक्त उर्वर यानी 18–35 की उम्र वालों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक तकरीबन साठ करोड़ बतायी जा रही है।विश्लेषकों का अनुमान है कि जनसंख्या 2064 में लगभ 9.7 अरब पहुंच सकती है। मगर 2100 में यह सिकुड़ कर 8.8 अरब पर थम सकती है। प्रजनन दर में आने वाली गिरावट के लिए अकेले महिलाओं को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह सच है कि बच्चों के लालन–पालन में लगने वाले समय, ऊर्जा व धन को लेकर मानदंड बलदते जा रहे हैं।दूसरे देर से युवावस्था की ढलाने में हो रही शादियां व प्रजनन क्षमता में होने वाली गिरावट/दिक्कतों की अनदेखी नहीं की जा सकती। बदलती जीवन–चर्या, आर्थिक दबाव, करियर की बढ़ती मांगे, प्रतिस्पर्धा आदि ने युवाओं का जेहनी सुकून छीना है।

बच्चों की देखभाल की उचित व्यवस्था का अभाव भी युवाओं को परिवार बढ़ाने से विमुख करता है। यह जटिल समस्या नहीं है, इसे लाइफ स्टाइल से जोड़ कर देखा जाना चाहिए और इसे सुधारने के प्रति सभी को आगे बढना़ चाहिए।

मल्हार का धमाकेदार ट्रेलर हुआ रिलीज, नई रिलीज डेट का भी ऐलान

अनोखी दोस्ती, निस्वार्थ प्यार और अटूट रिश्तों की कहानी मल्हार का ट्रेलर आज रिलीज़ हो गया है. फिल्म हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं में रिलीज़ होगी. ट्रेलर में शारिब हाशमी, अंजलि पाटिल, ऋ षि सक्सेना, श्रीनिवास पोकाले, विनायक पोटदार, मोहम्मद समद और अक्षता आचार्य मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं. ट्रेलर बेहद दिलचस्प लग रहा है और दर्शकों को फिल्म देखने के लिए उत्साहित कर रहा है. फिल्म की कहानी दोस्ती, प्यार और बंधन के इर्द–गिर्द घूमती है. पहले फिल्म 31 मई को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने नई रिलीज़ डेट का ऐलान कर दिया है. मल्हार अब 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

फिल्म का निर्देशन विशाल कुंभर ने किया है, जबकि निर्माण प्रफुल्ल पासड ने किया है. वी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता बनी हुई है. ट्रेलर में, हाशमी के किरदार को अपने गांव में आने वाले विजिटर्स का अभिवादन करते हुए दिखाया गया है। इसके बाद दो स्कूली साथियों के बीच बातचीत को दिखाया गया, जो अलग–अलग धर्मों का पालन करते हैं। इसके अलावा ट्रेलर में एक युवा हिंदू लडके़ और मुस्लिम लडक़ी के बीच पनप रहे प्यार की कहानी भी देखने को मिलेगी। यह हाशमी के एक दमदार डायलॉग के साथ समाप्त होता है। 1 मिनट 25 सेकन्ड के इस ट्रेलर की शुरुआत शारिब हाशमी के डायलॉग से होती है वह कहते हैं वेलकम टू माई विलेज। दरअसल निर्माता प्रफुल पासड की फ़िल्म मल्हार गांव कच्छ में घटित हो रही तीन स्टोरीज का अनोखा मिश्रण है। यह फिल्म दो सबसे अच्छे दोस्तों की कहानी कहती है। सुनने के यंत्र की मरम्मत के लिए उनके संघर्ष के इर्द–गिर्द यह स्टोरी घूमती है।

राजकुमार राव के कब्जे में रहा बॉक्स ऑफिस! भैया जी को धूल चटा श्रीकांत ने मारी बाजी

श्रीकांत , 2024 को पर्दे पर आई थी. फिल्म को रिलीज हुए अब 16 दिन हो गए हैं लेकिन फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए हुए है. राजकुमार राव स्टारर ये फिल्म हर दिन थिएटर्स में करोड़ों का बिजनेस कर रही है. यहां तक की इसपर मनोज बाजपेयी की भैया जी की रिलीज का भी कोई असर होता नहीं दिख रहा है. राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत जहां हर रोज करोड़ों का कलेक्शन कर रही है तो वहीं हर वीकेंड पर फिल्म की कमाई बढ़ती नजर आती है. ये श्रीकांत का तीसरा वीकेंड और इस बार भी फिल्म के कलेक्शन में इजाफा हुआ है. सैकनिल्क के मुताबिक वर्किंग डेज में फिल्म का कलेक्शन 1 से 1.5 करोड़ के बीच था. जबकि शनिवार (16वें दिन) को फिल्म ने 2 करोड़ रुपए का कारोबार किया है.

श्रीकांत ने बॉक्स ऑफिस पर इस हद तक पकड़ मजबूत की हुई है कि मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी की रिलीज का भी इसपर कोई असर नजर नहीं आ रहा है. भैया जी ने 24 मई को थिएटर्स में दस्तक दी थी. शनिवार के कलेक्शन में जहां श्रीकांत ने 2 करोड़ रुपए कमाए हैं तो वहीं भैया जी 1.75 करोड़ रुपए में ही सिमट गई.

मैं अगर कुछ बोलूंगा तो बवाल हो जाएगा- हरभजन सिंह

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई टीम के बारे में अपनी राय दी। भज्जी ने कहा कि भारतीय टीम को चार स्पिनर चुनने के बजाय रिंकू सिंह पर विश्वास जताना चाहिए था। साथ ही हरभजन सिंह ने यह भी कहा कि अगर वो चयनकर्ता होते तो टी20 वर्ल्ड कप में युवा टीम को भेजते। हरभजन सिंह ने यह बात कही। हरभजन से सवाल किया गया कि विशेष रूप से रिंकू सिंह की बात करें तो उनकी फॉर्म भी अच्छी थी, फिर भी उनको टीम में स्थान नहीं मिलने के पीछे आप क्या कारण मानते हैं? इसके जवाब में भज्जी ने कहा कि इसकी वजह चयनकर्ताओं से पूछा जाना चाहिए। रिंकू को प्रबंधन का समर्थन नहीं मिला।

'मैं बोलूंगा तो बवाल हो...'

हरभजन सिंह ने कहा, इसकी वजह अगर पूछनी है तो चयनकर्ताओं से पूछा जाना चाहिए। मैं अगर कुछ बोलूंगा तो बवाल हो जाएगा। मैं यही बोल सकता हूं कि उन्हें प्रबंधन की ओर से वैसा समर्थन नहीं है जैसा कि कई अन्य खिलाड़ियों को है। अगर उन्हें वैसा समर्थन मिलता तो वह टीम में अवश्य होते क्योंकि सब कुछ वो कर रहे हैं, जो वह कर सकते थे।

रिंकू सिंह ने प्रदर्शन करके दिखाया

भज्जी ने आगे कहा, रिंकू ने प्रदर्शन कर के उन्होंने दिखाया है, जो किसी खिलाड़ी से आशा की जाती है। मुझे नहीं पता उन्हें टीम में होने के लिए इसके अलावा और क्या करना चाहिए था। खिलाड़ी के रूप में वह जो कर सकते थे, उन्होंने किया। उनके साथ न्याय तभी होता जब वह टीम में होते।

अमेरिका पहुंच गई है आधी भारतीय टीम

बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप के लिए घोषित की गई भारतीय टीम में रिंकू सिंह को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रखा है। 2 जून से शुरू हो रहे टी20 वर्ल्ड कप के लिए आधी भारतीय टीम अमेरिका पहुंच चुकी है। जल्द ही अन्य खिलाड़ी भी अमेरिका में टीम से जुड़ेंगे। इनमें विराट कोहली, रिंकू सिंह, संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

बॉक्स ऑफिस पर दूसरे दिन भी नहीं चला मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी का जादू

इन दिनों अभिनेता मनोज बाजपेयी खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों न, उनकी फिल्म भैया जी सिनेमाघरों में जो लगी हुई है। हालांकि, इस फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली है।पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कमाल नहीं किया और दूसरे दिन की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं।कयास लगाए जा रहे थे कि फिल्म को वीकेंड की छुट्टी का फायदा मिलेगा, लेकिन भैया जी का भौकाल नहीं चल पाया।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, भैया जी ने दूसरे दिन यानी शनिवार को देशभर में 1.75 करोड़ का कारोबार किया है। हालांकि, ये आंकड़े शुरुआती हैं। आधिकारिक डाटा सामने आने के बाद इनमें थोड़ा बहुत फेरबदल हो सकता है।भैया जी ने पहले दिन 1.35 करोड़ रुपये से अपना खाता खोला था। दूसरे दिन भी इसकी कमाई में बड़ी मामूली सी बढ़त देखने को मिली है। इस तरह से 2 दिन में फिल्म महज 3.1 करोड़ रुपये बटोर पाई है।

भैया जी की कहानी राम चरण उर्फ भैया जी किरदार के इर्द–गिर्द घूमती है, जो बिहार का बाहुबली है। उसने कई सालों पहले हिंसा का रास्ता छोड़ दिया था, लेकिन जब उसके छोटे भाई की हत्या हो जाती है तो वह एक बार फिर हथियार उठा लेता है। अब वह अपने भाई की हत्या का बदला लेना चाहता है।फिल्म के निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की हैं। भैया जी मनोज के लिए खास है, क्योंकि यह उनकी 100वीं फिल्म है।

मनोज जल्द ही कनु बहल के निर्देशन में बनी फिल्म डिस्पैच में भी मुख्य भूमिका निभाएंगे। इसमें वह एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो खुद को व्यापार और अपराध की दुनिया की दलदल में फंसा हुआ पाता है।फिल्म में मनोज के साथ अभिनेत्री शहाना गोस्वामी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म अपराध पत्रकारिता की दुनिया पर आधारित है।उधर बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित हो चुकी उनकी फिल्म द फेबल भी रिलीज होने वाली है।

अनूठा रिकॉर्ड बनाने वाले अंपायर ने खोले कई राज

नई दिल्ली। पिछले पांच सत्रों से आईपीएल में टीमें बदलती रहीं, खिलाड़ी बदलते रहे, शहर बदलते रहे, लेकिन एक चेहरा ऐसा है जो हर फाइनल में मैदान में खड़ा रहा। नितिन लगातार छह आईपीएल फाइनल में बतौर मैदानी अंपायर होने का अनूठा रिकॉर्ड बना चुके हैं। आईसीसी एलीट पैनल में शामिल देश के एकमात्र अंपायर नितिन से कपीश दुबे ने खास चर्चा की। प्रस्तुत हैं मुख्य अंश :–

जवाब – यह यात्रा के एक पड़ाव की तरह है। हर मैच में अंपायर के फैसले पर दुनिया की निगाह होती है, इसलिए जिम्मेदारी बढ़ जाती है। हालांकि इस बार का फाइनल इतना चुनौतीपूर्ण नहीं रहा।

अमेरिका रवाना हुई राजस्थान रॉयल्स की 'तिकड़ी'

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स की तिकड़ी युजवेंद्र चहल, आवेश खान और यशस्वी जायसवाल सोमवार को मुंबई से अमेरिका के लिए रवाना हुए। राजस्थान रॉयल्स का आईपीएल 2024 के दूसरे क्वालीफायर में सफर समाप्त हुआ, जहां उसे सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। आरआर के खिलाड़ियों ने अमेरिका रवाना होने से पहले छोटा ब्रेक लिया। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने अलग से न्यूयॉर्क की उड़ान भरी और इसकी जानकारी ने उन्होंने अपने फैंस को सोशल मीडिया के जरिये दी। पता हो कि यह सभी खिलाड़ी न्यूयॉर्क पहुंचने वाले दूसरे जत्थे का हिस्सा रहे। वैसे, कप्तान रोहित शर्मा सहित कई खिलाड़ी पहले ही न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं।

भारत से खिताब की उम्मीद

बता दें कि भारतीय टीम आगामी टी20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड के खिलाफ 5 जून को करेगी। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इससे पहले 1 जून को टीम इंडिया बांग्लादेश के खिलाफ अपना एकमात्र अभ्यास मैच खेलेगी।

राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन

आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के प्रदर्शन पर गौर करें तो पहले हाफ में टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन दूसरे हाफ में उसके प्रदर्शन में गिरावट दिखी। संजू सैमसन की अगुवाई वाली रॉयल्स को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन आखिरी के मैचों में टीम बेपटरी हुई। फिर दूसरे क्वालीफायर में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 36 रन से मिली शिकस्त के साथ उसका सफर समाप्त हुआ।

एक नजर

समस्याओं का समाधान न होने पर भड़के रेलवे प्रभावित

श्रीनगर गढ़वाल : रेलवे निर्माण कार्य से हो रही समस्याओं को लेकर मंगलवार को रेलवे प्रभावितों ने आरवीएनएल और रेलवे निर्माणदायी कंपनी के प्रबंधक को ज्ञापन प्रेषित किया। कीर्तिनगर के अंतर्गत ग्राम राणीहाट, नैथाणा में चल रहें ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के निर्माण कार्य से प्रभावित ग्रामीणों का जीना दूभर हो गया है। रेल परियोजना के निर्माण कार्य से जगह-जगह आवागमन के रास्ते खंडित कर दिए हैं। जिससे गांव के नौनिहालों को आने-जाने और खेलने से भी वंचित किया जा रहा है।ज्ञापन में रानीहाट ग्राम प्रधान संजय मेघा रावत, पूर्व ग्राम प्रधान रानीहाट, नैथाणा मनोज कुमार जोशी ने कहा कि देश के विकास के लिए रानीहाट नैथाणा के काश्तकारों ने अपनी पुश्तैनी भूमि भारत सरकार को समर्पित की है।

लेकिन रेलवे निर्माण कार्यों से हो रही समस्याओं से रेलवे विभाग के अधिकारी निस्तारण करने के बजाय तानाशाही रवैया अपना रहें है। कहा कि रेलवे निर्माण के लिए भूमि देने से पहले रेलवे अधिकारियों ने पेयजल व्यवस्था, पैदल रास्ते, सड़क मार्ग, पशुओं के लिए चारा, खेल मैदान, प्रदूषण से निजात दिलाने सहित रखरखाव कार्यों का आश्वासन दिया था, लेकिन रेलवे निर्माण कार्यों को 6 वर्षों होने पर भी आरवीएनएल और निर्माणदायी संस्था नवयुगा कम्पनी जनहितों को दरकिनार करते आ रही है। (एजेंसी)

समस्याओं का हल न होने पर कांग्रेसी भड़के

श्रीनगर गढ़वाल : नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सूरज घिल्डियाल सहित चंद्रभान सिंह बिष्ट, सुरेंद्र सिंह चौहान, बिरेन्द्र सिंह नेगी, संजय कुमार, महेंद्र बतर्वाल ने कहा कि नर्सरी रोड स्थित बस अड्डे के समीप बने ट्रेचिंग ग्राउंड में नगर निगम कूड़े का निस्तारण नहीं कर रहा है। इसके बजाय आग लगाकर इसे नष्ट किया जा रहा है, जिससे आसपास क्षेत्र में प्रदूषण फैल रहा है।

पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार के समय बिलकेदार स्थित गिरगांव पर ट्रेचिंग ग्राउंड स्वीकृत हुआ था। लेकिन नगर निगम प्रशासन श्रीनगर से ट्रेचिंग ग्राउंड को स्वीकृत स्थान पर स्थानांतरित नहीं कर पाया है। (एजेंसी)

मतगणना को लेकर अगस्त्यमुनि में बनेगा कंट्रोल रूम

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन की मतगणना आगामी 04 जून को बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल अगस्त्यमुनि में संपादित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि मतगणना को पारदर्शिता के साथ संपादित कराने के लिए जिलाधिकारी के आदेशों के क्रम में मतगणना हेतु जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय कक्ष अगस्त्यमुनि में कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा जिसके लिए मतगणना कंट्रोल रूम में डीईओ/सीईओ कार्यालय में गिनती से संबंधित जानकारी/शिकायतें प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर-1950 स्थापित करने एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान हेतु जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संदीप भट्ट को नोडल अधिकारी नामित किया जाता है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के क्रम में सूचना का प्रेषण तथा शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने राफ्टिंग व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नई टिहरी : मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मंगलवार को तपोवन से कोड़ियाला तक राफ्टिंग व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मुख्य सचिव ने खारास्त्रोत पार्किंग तृतीय और गंगा नदी में पुट इन प्वाइंट ब्रह्मपुरी का निरीक्षण कर संचालित हो रही राफ्टिंग को देखा। उन्होंने राफ्टर्स के लिए मार्केट बनाने के साथ ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम पर पर जोर देने को कहा। निरीक्षण कार्यक्रम के तहत मुख्य सचिव ने राफ्टिंग की ड्रोन फुटेज लेने तथा रिवर राफ्टिंग और क्याकिंग नियमावली का उल्लंघन करने वालों पर दंडात्मक चालान कार्रवाई करने को कहा। डीएम मयूर दीक्षित ने बताया कि राफ्टर्स के लिए बनाए गए अस्थाई पार्किंग स्थल खारास्त्रोत में द्वितीय चरण के कार्य किए जा रहे हैं। जिसमें सीसी कार्यों के साथ ही अन्य कार्य किए जाने हैं। अपर मुख्य कार्याधिकारी (साहसिक विंग) यूटीडीबी कर्नल अश्विनी पुण्डीर ने बताया कि गंगा में 263 फर्म पंजीकृत हैं तथा 576 राफ्ट्स हैं। जबकि अलकनंदा में 29 फर्म पंजीकृत हैं। 65 राफ्ट्स हैं। (एजेंसी)

विकराल हो रही पेयजल समस्या, बूंद-बूंद पानी को तरसे वार्डवासी

ग्रास्टनगंज, कुंभीचौड़ व विशनपुर क्षेत्र में बनी है पेयजल समस्या

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत ग्रास्टनगंज क्षेत्र में खराब पड़े नलकूप की मरम्मत करते श्रमिक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भीषण गर्मी के बीच क्षेत्र में पेयजल किल्लत भी विकराल होती जा रही है। चिलचिलाती धूप के बीच क्षेत्रवासियों को पानी की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। हालत यह है कि ग्रास्टनगंज, कुंभीचौड़ व विशनपुर क्षेत्र में पिछले तीन दिन से पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। आक्रोशित वार्डवासियों ने जल्द समस्या का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। कहा कि व वार्डवासियों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ग्रास्टनगंज, कुंभीचौड़ व विशनपुर क्षेत्र की करीब तीन हजार से अधिक आबादी को जल संस्थान के नलकूप से पेयजल आपूर्ति की जाती है। लेकिन, पिछले कई दिनों से नलकूप की मोटर खराब पड़ी हुई है। नतीजा, भीषण गर्मी के बीच वार्डवासियों को पेयजल समस्या से जूझना पड़ रहा है। सुबह से ही वार्डवासी हाथों में खाली बर्तन पकड़कर चिलचिलाती धूप में पानी की तलाश में भटक रहे हैं।

वार्डवासी मुन्नी देवी, शांति देवी ने बताया कि गर्मी शुरू होते ही पेयजल किल्लत विकराल होने लगती है। दरअसल, नलकूप में लगी मोटर दशकों पुरानी है, जिससे वह अधिक लोड नहीं उठा पाती और हर बार खराब हो जाती है। नलकूप की मोटर बदलने के लिए कई बार जनप्रतिनिधि व अधिकारियों से शिकायत भी कर चुके हैं। लेकिन, हर बार पुरानी मोटर की ही मरम्मत करवाई जाती है। प्यास बुझाने के लिए कई परिवार बाजार में महंगे दामों में पानी का टैंकर मंगवा रहे हैं। कहा कि यदि यही स्थिति रही तो वार्डवासियों को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

खाई में गिरा डंपर, चालक की मौत

दुर्घटना के बाद सड़क किनारे खड़ी मैक्स

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बीरोंखाल के अंतर्गत गुडिंडा गांव के समीप एक डंपर विपरीत दिशा से आ रही मैक्स को टक्कर मारकर गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना में डंपर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद सवारियों से भरी मैक्स पैराफिर पर टकराकर रूक गई। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया।

घटना मंगलवार सुबह करीब नौ बजे की है। एक डंपर रामनगर से बैजरो की ओर बजरी लेकर आ रहा था। इसी दौरान ग्राम गुडिंडा के समीप डंपर ने सामने से आ रही मैक्स को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद डंपर चालक का स्टेयरिंग से नियंत्रण छूट गया और डंपर नयार नदी में जा गिरा। इधर, डंपर से टक्कर से अनियंत्रित मैक्स सड़क किनारे लगी पैराफिट से टकरा कर रूक गई। मैक्स में पांच लोग सवार थे। सूचना मिलते ही थलीसैण से पुलिस टीम मौके पर पहुंची और डंपर से चालक के शव को बाहर निकाला। थलीसैंण थाना प्रभारी सुनील पंवार ने बताया कि मृतक डंपर चालक की शिनाख्त रामनगर के अंतर्गत प्रतापपुर निवासी शराफत (38) पुत्र अकबर के रूप में हुई है।

सड़क निर्माण को लेकर वर्तमान और पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी आमने-सामने

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बीजीआर परिसर पौड़ी में इन दिनों चल रहे सड़क डामरीकरण के कार्य को लेकर वर्तमान छात्रसंघ पदाधिकारी और पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी आमने-सामने आ गए है। वर्तमान छात्रसंघ अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों ने मंगलवार को परिसर निदेशक को ज्ञापन देकर पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग उठाई है। वहीं, पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारियों का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच की मांग उठा रहे है।

मंगलवार को छात्रसंघ अध्यक्ष ऋत्विक असवाल, कोषाध्यक्ष लवीश नेगी, आर्यन संगठन के जिलाध्यक्ष कुश रावत, कुनाल रावत, विनय रावत, हिमांशु, सूरज नवानी, प्रियांशु आदि ने परिसर निदेशक को ज्ञापन देते हुए कहा कि बीजीआर परिसर से ही छात्र राजनीति सीखकर अपने ही परिसर की छवि को प्रभावित करना छात्रहित में नहीं है। इससे अन्य छात्रों में इसका गलत संदेश जा रहा है। परिसर में करीब 800 मीटर की सड़क बनने से सभी को लाभ मिलेगा।

कहा कि सड़क निर्माण के कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं, सड़क डामरीकरण की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे पूर्व छात्रनेता अंकित नौटियाल, राजेश भंडारी व अंकित सुंदरियाल ने कहा कि परिसर की सड़क को पूरे मानकों के अनुसार बनाया जाए। एक साल पहले स्वीकृत निर्माण कार्य को दो दिन में ही समाप्त कर गुणवत्ता के नाम पर संस्था ने इतिश्री कर ली। उन्होंने निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है।

कछुआ चाल से चल रहा मालन पुल निर्माण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सिडकुल निर्माता संघ ग्रोथ सेंटर ने कछुआ चाल से हो रहे मालन पुलिस निर्माण पर रोष व्यक्त किया है। कहा कि कुछ माह बाद बरसात होने वाली है और पुल का निर्माण कार्य आधा भी नहीं हो पाया है। ऐसे में सिड़कल को नुकसान झेलना पड़ेगा। सेक्रेटरी विवेक चौहान ने बताया कि बीते वर्षाकाल में मालन नदी का पुल ढह गया था। जिसके कारण सिड़कुल तक वाहन नहीं पहुंच पा रहे है। ऐसे में सिड़कुल को काफी नुकसान झेलना पड़ा था। वैकल्पिक मार्ग तैयार होने के बाद कुछ राहत मिली और उम्मीद थी कि जल्द ही पुल का निर्माण हो जाएगा। लेकिन, अब तक पुल का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है। सिड़कुल को नुकसान न झेलना पड़े इसके लिए पुल निर्माण कार्य में तेजी लाइ जानी चाहिए।

गदेरे में लगी आग सड़क तक पहुंची, चारों ओर छाया काला धुंआ

कोटद्वार के देवी रोड में पनियाली गदेरे के नीचे धधकती आग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : देवी रोड में पनियाली गदेरे में बना कूड़ा डंपिंग जोन लोगों के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। मंगलवार दोपहर अचानक कूड़े के ढेर पर आग लग गई। ऐसे में चारों ओर काला धुंआ छा गया। देखते ही देखते आग की लपटें सड़क तक पहुंच गई थी। नतीजा, पुल पर कुछ देर ट्रैफिक को रोकना पड़ा। आग आसपास की दुकानों तक न पहुंचे, इसके लिए व्यापारी लगातार आग पर नजर बनाए हुए थे।

मालूम हो कि, घाड़ क्षेत्र के जंगलों से निकलने वाला पनियाली गदेरा करीब तीन किलोमीटर के हिस्से में शहर के बीच से होकर गुजरता है। लेकिन, आसपास के कई व्यापारियों ने इस पनियाली गदेरे को कूड़ा घर बना दिया है। वर्तमान में गदेरे में कूड़े के साथ ही गन्ने का जूस निकालने के बाद बड़ी संख्या में उसका कूड़ा भी फेंका जा रहा है। मंगलवार पूर्वाह्न कूड़े के ढेर में आग धधक गई। कूड़े के ढेर से आग लगने से लपटें सड़क तक पहुंच गई, जिससे राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। पंद्रह-बीस मिनट बाद जब आग की लपटें थोड़ा शांत हुई तो पुल पर दोबारा आवाजाही शुरू हुई। पुलिया के नीचे जल रहे कूड़ा प्रति दिन मुसीबत बन रहा है। बताना जरूरी है कि नदी व गदेरों में किसी भी प्रकार की गंदगी फैलाना वर्जित है। बावजूद इसके पनियाली गदेरे को कूड़ेदान में तब्दील किया जा रहा है। आसपास के व्यापारी खुलेआम अपने प्रतिष्ठानों की गंदगी गदेरे में उड़ेलते नजर आते हैं।

बरसात से पहले पनियाली गदेरे की करवाएं सफाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व पार्षद प्रवेंद्र सिंह रावत ने बरसात से पहले पनियाली गदेरे की सफाई की मांग की है। कहा कि वर्षाकाल के दौरान गदेरे से किसी तरह का नुकसान न हो इसके लिए गंभीरता से कार्य किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि गदेरे में पड़े कूड़े के कारण बरसाती पानी की निकासी नहीं हो पाती है, पानी घरों में घुस जाता है।

मंगलवार को सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता को सौंपे ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि पिछले साल आपदा में गदेरे की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई थी। बरसात का पानी लोगों के घरों में घुस गया था। इस बार समय पर व्यवस्था बनाई जाए।

विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

कोटद्वार : भाबर स्थित भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय का स्टाफ सुरकंडा देवी मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण कर मंगलवार को वापस लौट आया है। प्रतिकुलपति प्रो. पीएस राणा ने बताया कि यह विश्वविद्यालय के स्टाफ का पहला भ्रमण कार्यक्रम था। कहा कि शिक्षण के साथ-साथ शैक्षणिक भ्रमण का भी अत्यन्त महत्व है। दल ने भ्रमण के दौरान सुरकंडा देवी मंदिर की ऐतिहासिकता के संबध में जानकारी एकत्रित की।

कार्यशाला को लेकर बच्चों और महिलाओं में बना उत्साह

जयन्त प्रतिनिधि।लैंसडौन : अभ्युदय परिवार द्वारा आओ सीखें कार्यशाला का शुभारंभा किया गया है। कार्यशाला को लेकर बच्चों में महिलाओं में उत्साह बना हुआ है। कार्यशाला में महिलाओं और बच्चों को निःशुल्क क्राफ्ट, चित्रकला, नृत्य, सिलाई, स्टोन पेंटिंग, मेहंदी, कैंडल मेकिंग, फायरलैस कुकिंग का प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जाएगा।अभ्युदय परिवार द्वारा आओ सीखें कार्यशाला का शुभारंभ वसुन्धरा मायाकोठी, विजेन्द्र सुंदरियाल, सतीश कालेश्वरी, प्रेम थापा, आशीष डोबरियाल, संयोजिका भावना वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर के किया।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई-टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि **21.06.2024** है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन **16:00 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	01-GSU-MB-24-25 27.05.2024
कार्य का नाम	ABSS: Provision of foot over bridge and high level platform at Aonla station of Moradabad Division.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	21.06.2024, 16:00 बजे
अनुमानित लागत	रु. 4,69,72,739.15
धरोहर राशि	रु. 3,84,900.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	07.06.2024

सं.: Dy.CE/GSU/MB/Publication-01/24-25 दिनांक: 27.05.2024 1589/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चंद्रिका व कल्पित रहे प्रतियोगिता के विजेता

प्रतियोगिता के अव्वल खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटरी क्लब की ओर से आयोजति तीन दिवसीय टेनिस प्रतियोगिता का समापन हो गया है। इस दौरान महिला ओपन फाइनल वर्ग में चंद्रिका व पुरुष वर्ग में कल्पित विजेता रहे।

अंतिम दिन प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले का शुभारंभ स्वामी राम हिमालयन विवि जौलीग्रांन्ट के कुलपति डॉ. राजेंद्र डोभाल और विशिष्ट अतिथि विशप विंसेंट ने किया। अतिथियों ने युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि युवा खेल के माध्यम से अपना बेहतर भविष्य बना सकते हैं। युवाओं को अपना लक्ष्य तय कर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। इस दौरान महिला ओपन फाइनल में चंद्रिका विजेता और पारुल उपविजेता रही। पुरुष वर्ग ओपन फाइनल में कल्पित विजेता और आशीष वैश्य उपविजेता बने। जूनियर बालक ओपन में तनुज सिंह विजेता और सुमित गडिया उपविजेता रहे। वेटरन वर्ग में राकेश मोहन कंडारी विजेता और प्रभाकर सिंह रावत उपविजेता रहे।

मतगणना को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में : सीडीओ

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कलेक्ट्रेट के एनआईसी सभागार में जनपद के सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को मतगणना की विभिन्न प्रक्रिया (ईटीपीबीएस और पीबी मतपत्रों और ईवीएम मशीन द्वारा) से विस्तारपूर्वक अवगत कराते हुए उनकी शंका का समाधान किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय ने सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से कहा कि मतगणना को व्यवस्थित, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपादित करने के लिए सभी प्रकार की तैयारियां अंतिम चरण में है तथा मतगणना की पूरी प्रक्रिया को राजनीतिक दलों, मीडियाकर्मी और अन्य संबंधित पक्षों को विश्वास में लेकर संपादित किया जायेगा।

मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय और अपर जिलाधिकारी ईला गिरी की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नोडल अधिकारी ईटीपीबीएस प्रकाश खत्री, नोडल अधिकारी पोस्टल बैलेट (सर्विस मतदाता) अमरेन्द्र चौधरी और मास्टर ट्रेनर दीपक रावत ने क्रमशः ईटीपीबीएस मतपत्रों, डाक मत पत्रों और ईवीएम द्वारा मतगणना को विस्तार पूर्वक उदाहरण सहित बताया गया। इस दौरान बताया गया कि ईटीपीबीएस और पोस्टल बैलेट डाक मतपत्र किन-किन परिस्थितियों में वैध-अवैध माने जायेंगे तथा मतगणना की प्रक्रिया किस तरह से संपादित की जायेगी। मास्टर ट्रेनर दीपक रावत ने बताया कि ईवीएम से किस तरह से मतगणना संपादित की जायेगी। कहा कि मतगणना केन्द्र पर मोबाइल फोन वर्जित रहेगा तथा मत की गोपनीयता और पारदर्शिता को हर हाल में बनाये रखना होगा। इस दौरान जिला विकास अधिकारी मनविन्दर कौर ने मतगणना में कार्मिकों की तैनाती के संबंध में अवगत कराया। इस मौके पर संयुक्त मजिस्ट्रेट अनामिका, सहायक निर्वाचन अधिकारी शांति लाल शाह, राजनीतिक दलों से जगत किशोर बड़थ्वाल, त्रिलोक रावत, देवानंद नौटियाल, फते सिंह गुसांई, विक्रम सिंह राणा, शिव प्रसाद रतूड़ी, क्रांति किशोर, संजय रावत, शशी चंद्र रतूड़ी सहित अन्य उपस्थित थे।

Affiliation No. ITI (DGET-6/33/9/2014-TC)

चन्द्रप्रभा
आई.टी.आई
NCVT – द्वारा मान्यता प्राप्त इलैक्ट्रीशियन ट्रेड

प्रवेश प्रारम्भ
पहले आओ – पहले पाओ सीमित सीटें।
100% Job PLACEMENT ASSISTANCE
6 महीन का फ्री कंप्यूटर कोर्स

चंद्र प्रभा प्राइवेट ITI में प्रवेश लेने वालों के लिए विशेष *OFFER*
- Free 6 माह का कम्प्यूटर कोर्स ।
- प्रतियोगी परीक्षाओं की Free कोचिंग ।
- सामान्य AutoCAD कोर्स का FREE प्रशिक्षण ।
- उत्तराखंड के छात्र छात्राओं के लिए शुल्क में विशेष छूट ।
- 10वीं पास विद्यार्थियो को 12वीं की तैयारियों में सहायता ।
- सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों में अप्रेंटिस की सुविधा।
- Job प्लेसमेंट गारंटी सहित एक ही छत के नीचे कई अन्य सुविधाएं उपलब्ध ।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें
पता:– सत्तीचौड़, कोटद्वार – पौड़ी गढ़वाल
Mob:- 9759462406, 9759462406

एक नजर

बाजपुर में महिला ने तीन प्रॉपर्टी डीलर्स पर लगाया घर पर कब्जे का आरोप

काशीपुर। बरहैनी निवासी एक महिला ने मंगलवार को कोतवाली में तहरीर देकर बरहैनी निवासी तीन प्रॉपर्टी डीलर पर उसकी गैर मौजूदगी में उसके घर पर कब्जा करने तथा उसको बेचने का आरोप लगाकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बरहैनी निवासी फातमा बेगम पत्नी मो इदरीश ने तहरीर देकर बताया कि उन्होंने गांव फरीदपुर निवासी मनमोहन सिंह से एक जमीन खरीदी थी। उस जमीन पर वह झोपड़ी बनाकर अपने बच्चों के साथ रह रही थी। बीते दिनों वह अपना इलाज कराने देहरादून चली गई थी। वहां से घर पहुंची तो उसने देखा कि उसके घर पर भूमि बिकाउ है का बोर्ड लगा है। आरोप लगाया कि ये बोर्ड गांव के ही तीन प्रॉपर्टी डीलरों ने लगाया है। आरोप लगाया कि जब उसने इन तीनों से बात की तो इन तीनों ने उसके साथ बदसलूकी की और जान से मारने की धमकी दी। फातमा ने पुलिस से तीनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जमानत पर आया तो युवती के पिता को धमकाया

काशीपुर। युवती पर जानलेवा हमला करने के आरोपी ने जमानत पर आने के बाद साथियों के साथ पिता को धमकाया। हमले के दर्ज मुकदमे में समझौता न करने पर परिवार को खत्म करने की धमकी दी। पुलिस ने पिता की शिकायत के बाद दो नामजद समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। बता दें कि आरोपी ने दो महीने पहले ट्यूशन जा रही छात्रा पर चाकुओं से हमला किया था।मोहल्ला खालसा निवासी खूब सिंह ने कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। बताया कि उनका एक मुकदमा कोर्ट में विचाराधीन है। जिसमें आकिब नाम का युवक नामजद है। उसको पुलिस ने मुकदमे में दो माह पहले जेल में भेज दिया था। 24 मई को आकिब को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी। 25 मई की रात जब आरोपी अपने घर आया, तो उसके साथ दर्जनों लोग ढोल नगाड़ों से हल्ला मचा रहे थे। जब उसने घर के बाहर आकर देखा तो लोगो ने आकिब को कंधे पर बिठा रखा था। जहां उसको देखकर आकिब ने लोगों को शांत कराया। आरोपी ने धमकी देते हुए कहा कि मुकदमे में समझौता कर लो नहीं तो पूरे परिवार को खत्म करके ही अबकी बार जेल जाऊंगा। साथ ही उसके साथ अन्य लोगों ने खूब सिंह का साथ देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आकिब, साहिल व अन्य दर्जनों अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 195ए, 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

हकीम मुफ्ति आदिल की इलाज के बहाने शातिराना चाल

विकासनगर। बहला–फुसला और धन का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोपी फिलहाल घर से फरार है। हरिद्वार में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। सोमवार देर रात हरिद्वार पुलिस भी आरोपी की तलाश में विकासनगर पहुंची। लेकिन आरोपी का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया। दरअसल, हरिद्वार निवासी कुंदन पुत्र चरण सिंह ने हरिद्वार के रानीपुर थाने में तहरीर दी थी। बताया कि उनके माता–पिता संगीता और चरण सिंह दोनों ही गरीब हैं। बीमारी के चलते वह विकासनगर स्थित एक हकीम मुफ्ति आदिल के यहां वह इलाज के लिए जाते थे। आरोप लगाया कि हकीम ने उनके माता–पिता को धन और जमीन का लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन कर दिया।

तहरीर के बाद हरिद्वार में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी से पूछताछ के लिए हरिद्वार पुलिस देर रात विकासनगर पहुंची। लेकिन आरोपी अपने घर पर नहीं मिला। कोतवाली विकासनगर राजेश शाह के मुताबिक मामला संज्ञान में आने के बाद से विकासनगर पुलिस भी आरोपी पर नजर रखे हुई थी। लेकिन वह केस दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा है।

आयुष वेलनेस सेंटरों को मिलेगा एनएबीएच सर्टिफिकेट

देहरादून। आयुष वेलनेस सेंटरों को एनएबीएच सर्टिफिकेट मिलेगा। जिले में संचालित सैकड़ों केंद्रों को आयुर्वेद विभाग द्वारा सर्टिफिकेट दिलाने की पहल की गई है। राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) से प्रमाणित करने संबंधी प्रोत्साहन योजना नई आयुष पॉलिसी के तहत चलाई गई है। मंगलवार को जिला आयुर्वेद आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ. गिरीशचंद्र सिंह जंगपांगी की ओर से सभी को 15 दिन के भीतर अपुनी सरकार पोर्टल पर पंजीकरण कराने के लिए निर्देशित किया है।

सीडीओ को मिली ऑल ओवर नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित यात्रा संचालित हो इसके लिए जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में विभिन्न व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने के लिए 41 जिला स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी को ऑल ओवर नोडल अधिकारी तथा जिला विकास अधिकारी एवं मुख्य कृषि अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नामित किया गया है। केदारनाथ धाम में दर्शनों को पहुंच रहे यदि किसी श्रद्धालु का स्वास्थ्य खराब होने की स्थिति में एवं किन्हीं कारणों से घायल होने की स्थिति में केदारनाथ यात्रा मार्ग से केदारनाथ धाम तक 12 एमआरपी तैयार की गई हैं। जिसमें संबंधित श्रद्धालुओं का तत्परता से उपचार किया जा रहा है। इसके लिए विभिन्न एमआरपी में एक फिजिशियन, एक ऑर्थों, 14 चिकित्साधिकारी, 21 फॉर्मासिस्ट, 11 स्वास्थ्य अधिकारी तथा पांच कनिष्ठ सहायक श्रद्धालुओं का उपचार करने हेतु तैनात किए गए हैं। श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग में संचालित होने वाले घोड़े-खच्चरों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं निगरानी के लिए एक संयुक्त निदेशक, एक उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, नोडल अधिकारी, सात अतिरिक्त स्वास्थ्य अधिकारी, तीन पशुधन प्रसार अधिकारी, पांच पैरावेट तथा 40 म्यूल टास्क फोर्स के कार्मिक तैनात किए गए हैं। श्री केदारनाथ दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं को यात्रा मार्ग सहित केदारनाथ धाम में किसी परेशानी एवं असुविधा के लिए सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम तक सात जोनों में विभाजित किया गया है जिसमें 16 सेक्टर एवं सहायक सेक्टर अधिकारी तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही जनपद की सीमा से सोनप्रयाग तक दो जोन एवं सात सेक्टर में विभाजित किया गया है जिसके लिए दो जोनल मजिस्ट्रेट एवं 14 सेक्टर एवं सहायक सेक्टर अधिकारी तैनात किए गए हैं। जिनके द्वारा यात्रा मार्ग पर साफ-सफाई की निरंतर निगरानी की जा रही है। केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई समस्या एवं असुविधा न हो इसके लिए सभी अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, कर्मचारी एवं सुरक्षा बल निरंतर अपनी सेवाएं देकर श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित यात्रा संचालित करने में पूर्ण सहयोग कर रहे हैं।

सीडीओ ने सभी विभागों से की चर्चा

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 की जिला योजना के प्रस्तावों को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने विकास भवन सभागार में सभी विभागों के साथ चर्चा की। उन्होंने सभी विभागों को एक हफ्ते के अन्दर कार्य योजना भेजने के निर्देश दिए।

सीडीओ ने सभी विभागों को अपने औचित्यपूर्ण एवं प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रस्ताव तैयार करने और जो भी योजनाएं जिला योजना में रख रहे हैं उनके प्रस्ताव डीपीसी मैम्बर के माध्यम से उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने सभी विभागों को कम से कम एक इनोवेटिव स्कीम को भी शामिल करने को कहा। कहा कि जो भी विभाग इनोवेटिव स्कीम में बजट चाहते हैं वे प्रस्ताव उपलब्ध करा सकते हैं।

इस दौरान जिला विकास अधिकारी केके पंत, डीएसटीओ विनय जोशी, डीएफओ सर्वेश दुबे सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा मार्ग पर सफाई और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : शहरी विकास निदेशालय के अपर निदेशक डॉ. ललित नारायण मिश्र ने मंगलवार को बद्रीनाथ चारधाम यात्रा मार्ग पर सफाई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि चारधाम यात्रा मार्ग पर सफाई व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। सार्वजनिक शौचालय, पार्किंग स्थल एवं पूरे यात्रा मार्ग पर नियमित साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखें। चारधाम यात्रा मार्ग पर स्वच्छता एवं सफाई व्यवस्थाओं पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए अपर निदेशक ने तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने गौचर, कर्णप्रयाग, जोशीमठ, विष्णुप्रयाग एवं बद्रीनाथ धाम तक विभिन्न यात्रा पड़ावों पर सफाई व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण भी किया।

श्रद्धालुओं के साथ हिमालयी फूलों से गुलजार हुई रुद्रनाथ घाटी

प्रतिदिन 300 तीर्थयात्री कर रहे भगवान रुद्रनाथ के दर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : पंच केदारों में चतुर्थ केदार रुद्रनाथ का यात्रा मार्ग इन दिनों श्रद्धालुओं के साथ ही हिमालयी फूलों से गुलजार हो गया है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जहां भगवान रुद्रनाथ के एकानन रुप के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। वहीं यात्रा मार्ग के नैसर्गिक सौंदर्य को देख अभीभूत हैं।

चमोली जिले में समुद्र तल से 11 हजार 800 फीट की ऊंचाई पर स्थित चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ मंदिर की यात्रा पंच केदारों में सबसे कठिन है। लेकिन यहां करीब 18 किमी. की पैदल दूरी की दुश्वारियों पर शिव भक्तों श्रद्धा इन दिनों भारी पड़ रही है। केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग के अनुसार इन दिनों प्रतिदिन यहां 300 तीर्थयात्री भगवान रुद्रनाथ के दर्शनों को पहुंच रहे हैं। जिससे इन दिनों रुद्रनाथ पैदल मार्ग श्रद्धालुओं की आवाजाही से गुलजार हो गया है। इसके साथ ही इन दिनों यात्रा मार्ग पर उच्च हिमालयी क्षेत्र में खिलने वाले सफेद बुरांश के फूलों के साथ अन्य हिमालयी फूल खिलने लगे हैं। जिससे यात्रा मार्ग का नैसर्गिक सौंदर्य श्रद्धालुओं को अभिभूत कर रहा है। दिल्ली से रुद्रनाथ की यात्रा पर आये श्रुति और विवेक का कहना है कि वह पहली बार रुद्रनाथ की यात्रा पर आए हैं। कहा कि पैदल मार्ग कठिन है, लेकिन भगवान रुद्रनाथ के दर्शन और प्राकृतिक सौंदर्य को देखकर पैदल यात्रा की कठिनाई का आभास नहीं हो रहा है। वहीं हरियाणा से आए देवेश और उनके साथियों का कहना है कि प्रकृति के इस सौंदर्य के बीच भगवान शिव के मुखारविंद के दर्शन आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति देने वाले हैं।

वन विभाग ने पनार में की पंजीकरण की व्यवस्था

रुद्रनाथ यात्रा मार्ग केदारनाथ वन प्रभाग के संरक्षित वन क्षेत्र में हैं। ऐसे में बुग्याल क्षेत्र के संरक्षण के लिए विभाग की ओर से पनार और रुद्रनाथ मंदिर के समीप पंजीकरण की व्यवस्था की है। जहां बाहरी क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालु 200 रुपये का शुल्क देकर पंजीकरण करवा सकते हैं। विभाग की ओर छात्रों के लिए स्टूडेंट आईडी दिखाने पर शुल्क कम लिया जाता है। विभाग की ओर से यात्रा मार्ग के पड़ावों पर शौचालय व कूड़ा निस्तारण की भी व्यवस्था की गई है।

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर आयोजित क्वीज में तनीषा रही अव्वल

एनएचएम के तत्वावधान में मनाया मासिक धर्म स्वच्छता दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, रूद्रप्रयाग के तत्वावधान में मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को लेकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर आयोजित क्वीज में तनीषा ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस दौरान किशोरी स्वास्थ्य दिवस का आयेजन किया गया, जिसमें 25 किशोरियों की बीएमआई व हिमोग्लोबिन की जांच की गई।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमल सिंह गुसाईं ने कहा कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। कहा कि इसको लेकर आज भी कई भ्रांतियां बनी हुई हैं, इन भ्रांतियों को दूर करने व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को लेकर जागरूक करने के उद्देश्य को लेकर हर वर्ष 28 मई को विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस का आयोजन किया जाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में आयोजित संगोष्ठी में महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षिता ममगाईं द्वारा मासिक धर्म को लेकर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर किशोरियों में जागरूकता पर जोर दिया। कहा कि मासिक धर्म स्वच्छता के लिए स्वच्छ विधियों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने मासिक धर्म स्वच्छता के लिए रोज नहाने, स्वच्छ साधन का प्रयोग करने, 4-6 घंटे बाद नए सेनेटरी नैपकीन का प्रयोग करने आदि मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को अपनाने पर जोर दिया। काउंसलर आरकेएसके विपिन सेमवाल ने बताया कि मासिक धर्म स्वच्छता के तहत स्वच्छ साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 06 रूपए की दर पर 06 सेनेटरी नैपकीन एएनएम व आशा कार्यकत्री के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। काउंसलर जयदीप ने भी विचार रखे। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन विषय पर आयोजित क्वीज में तनीषा ने प्रथम, तमन्ना ने द्वितीय व मौली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मतगणना की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : लोकसभा सामान्य निर्वाचन की मतगणना को पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने के लिए मतगणना हेतु तैनात किए गए मतगणना कार्मिकों का जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में जिला कार्यालय एनआईसी कक्ष में 120 कार्मिकों का प्रथम रेंडमाईजेशन किया गया।

मतगणना कार्य को संपन्न कराने के लिए विधानसभा 07-केदारनाथ एवं 08-रुद्रप्रयाग विधान सभा में 14-14 टेबिल लगाई जाएंगी जिसके लिए 38 मतगणना सुपरवाईजर, 40 मतगणना सहायक, 42 मतगणना माइक्रो ऑब्जर्वर रिजर्व सहित तैनात किए गए हैं।

मतगणना को सफलता पूर्वक संपादित कराने के लिए तैनात किए गए कार्मिकों को प्रथम प्रशिक्षण 30 मई को तथा द्वितीय प्रशिक्षण 3 जून को उपलब्ध कराया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि मतगणना हेतु तैनात किए गए कार्मिकों को नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, सहायक रिटर्निंग अधिकारी केदारनाथ अनिल कुमार शुक्ला, रुद्रप्रयाग आशीष चंद्र घिल्डियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र कुमार बिष्ट, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी दीप्ति चमोली, सहायक निर्वाचन अधिकारी धीरज कुमार आदि मौजूद रहे।

ढोल नगाड़े बजाकर हुड़दंग करने पर 8 गिरफ्तार, 4 फरार

काशीपुर। युवती पर जानलेवा हमला करने के आरोपी को जमानत मिलने के बाद हुड़दंग कर रहे 8 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जबकि चार आरोपी फरार है।

कटोराताल चौकी क्षेत्र में 24 मई को आरोपी जमानत मिलने के बाद उसके साथी ढोल नगाड़े बजाकर हुड़दंग कर रहे थे। घटना का वीडियो सोमवार शाम को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो की मदद से पुलिस ने 12 आरोपियों की पहचान पर उनके खिलाफ आचार संहिता उल्लघंन, दहशत फैलाने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि जो वीडियो वायरल हुआ था, उसमें कुछ लोग आरोपी युवक को कंधों पर उठाकर ढोल नगाड़ा बजा रहे थे।

वीडियो के आधार पर ही पुलिस ने आरोपी मोहल्ला खालसा निवासी रउफ़ पुत्र शहाबुद्दीन, अरबाज पुत्र फिरासत, अनस पुत्र राहत अली खान, साहिल पुत्र इंतखाब हुसैन, सुभान पुत्र युसूफ, फैसल आलम पुत्र परवेज आलम, अयान अली पुत्र अकरम अली, वसीम पुत्र इश्तियाक हुसैन को पुलिस गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को नोटिस देकर छोड़ दिया गया है। जबकि चार आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।

परीक्षा नियंत्रक ने किया निरीक्षण

नई टिहरी : श्रीदेव सुमन विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने मंगलवार को धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्रनगर का निरीक्षण किया।

उन्होंने यहां संचालित परीक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया। नरेंद्रनगर महाविद्यालय में बीती 6 मई से एनईपी के तहत सेमेस्टर और वार्षिक परीक्षा पद्धति की परीक्षाएं संचालित की जा रही है। मंगलवार को श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. श्रीवास्तव के महाविद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वहां बीकॉम तृतीय वर्ष, बीएससी तृतीय वर्ष, बीएससी गृह विज्ञान तृतीय वर्ष और बीए चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं चल रही थी। परीक्षा नियंत्रक ने परीक्षार्थियों को उत्तर पुस्तिकाओं में सूचनाएं सावधानी पूर्वक भरने को कहा। प्राचार्य प्रो. राजेश कुमार उभान ने परीक्षा में आ रही समस्याओं के संबंध में परीक्षा नियंत्रक को अवगत कराया। परीक्षा प्रभारी डॉ. राजपाल सिंह रावत ने बताया कि यह परीक्षाएं 4 जून तक चलेंगी।

मतगणना कक्ष में मोबाइल ले जाने की नहीं होगी अनुमति

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : 04 जून को होने वाली मतगणना को लेकर उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश ने मंगलवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। जिसमें प्रतिनिधियों को मतगणना के संबध में चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के बारे में जानकारी दी गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों को अपने अभिकर्ताओं की नियुक्ति समय पर करते हुए निर्धारित प्रारूप पर इसकी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने बताया कि मतगणना के दौरान कक्ष में किसी भी अभ्यर्थी, अभिकर्ता, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के पदाधिकारियों को मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। 01 जून तक संबधित सहायक रिटर्निंग अधिकारी से अपने अभिकर्ताओं का प्रवेश पास अवश्य प्राप्त कर लें। उन्होंने कहा कि मतगणना के दिन राजनीतिक दलों की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम खोला जाएगा। मतगणना के संबध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जिले की तीनों विधानसभा में मतगणना के लिए 14-14 टेबल लगाई जाएंगी। मतगणना के लिए 30 मई को कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्ट्रांग रूम से मतगणना कक्ष तक सीयू को लाने के लिए अलग रास्ता सहित एलईडी के माध्यम से प्रदर्शन की व्यवस्था की गई है। पांच प्रतिशत वीवीपैट पर्ची की गणना के लिए अलग से कक्ष बनाए गए है। बैठक में बीजेपी के अधिकृत प्रतिनिधि डीपी पुरोहित, समन्वयक गजेन्द्र सिंह रावत, कार्यालय प्रभारी विनोद कनवासी, कांग्रेस के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आनंद सिंह पंवार, नगर महामंत्री मदन लोहानी आदि सहित सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डीसी सती मौजूद थे।

अगले 30 वर्षों को ध्यान में रखकर बनाए नई पेयजल योजना का प्रस्ताव : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : बद्रीनाथ धाम में भविष्य की जरूरतों के हिसाब से मास्टर प्लान के तहत नई पेयजल योजना का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसके लिए जल संस्थान को विस्तृत सर्वे करते हुए शीघ्र इसका प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए है।

बद्रीनाथ धाम में नई पेयजल योजना का प्रस्ताव तैयार करने को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने जल संस्थान के साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि बद्रीनाथ धाम में भविष्य की जरूरतों का विस्तृत आकलन करते हुए नई पेयजल योजना का प्रस्ताव तैयार किया जाए। इसमें स्थानीय लोगों, मंदिर समिति, आर्मी, आईटीबीपी, विभागों सहित सभी स्टेकहोल्डर के सुझाव लिए जाए। आईएनआई डिजाइन कंपनी से समन्वय करते हुए बद्रीनाथ मास्टर प्लान के साथ इसको इंटीग्रेट करें। बद्रीनाथ धाम में भविष्य में बनने वाले नए होटल, भवन और तीर्थयात्रियों की क्षमता का सही आकलन करते हुए प्रस्ताव बनाया जाए। वर्तमान पेयजल स्त्रोत के लिए अलावा नए स्त्रोत चिन्हित करें। जिलाधिकारी ने जल संस्थान के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सबके सुझाव लेकर 20 जून तक बद्रीनाथ में आईओटी आधारित नई पेयजल योजना का प्रस्ताव उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार, अधिशासी अभियंता एसके श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता जल निगम वीके जैन सहित वर्चुअल माध्यम से अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लगातार दूसरे दिन भी 40 डिग्री पार रहा तापमान, लोग हुए बेहाल

देहरादून। उत्तराखंड के मैदानी शहरों में गर्म हवाओं और चिलचिलाती धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया। लगातार दूसरे दिन तापमान 40 डिग्री पार रहा। रुड़की, काशीपुर, रुद्रपुर, देहरादून, विकासनगर, ऋषिकेश आदि मैदानी शहरों में गर्म हवाओं के थपेड़ों के चलते लोग गमछे, स्कार्फ और चश्मे पहनकर बाहर निकले। दोपहर के समय कई सड़कों पर सन्नाटे जैसी स्थिति रही। मौसम निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, मैदान में दो दिन पारा 40 के आसपास ही रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बारिश एवं तेज हवाओं के आसार बने हैं। हरिद्वार–यूएसनगर को छोड़कर बाकी जिलों में 28, 29 और 30 मई को हल्की बारिश हो सकती है।

देहरादून में पारा 40 के पारः देहरादून में लगातार दूसरे दिन पारा 40 डिग्री के पार रहा, जो सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा है। जबकि, न्यूनतम तापमान भी सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा 26.7 डिग्री दर्ज किया गया। गर्म हवाओं और बिजली कटौती ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी। दोपहर के वक्त लोग अपने घरों में कैद रहे।

यूएसडीएमए ने हीट वेव से बचाव के सुझाव दिएः लगातार बढ़ती गर्मी के बीच राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) ने लोगों को हीट वेव से बचाव के लिए सुझाव जारी किए हैं। इसके जरिये हीट वेव के दुष्प्रभाव की जानकारी देते हुए बचाव के उपाय सुझाए गए। यूएसडीएमए के आईईसी विशेषज्ञ मनीष भगत ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों को इसके प्रति जागरूक किया जा रहा है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com